

Padma Shri



SHRI RAM SAHAY PANDEY

Shri Ram Sahay Pandey is a Great Folk Artist in Bundel Khand Region.

2. Born on 11th April, 1933 Shri Pandey started Learning and playing Ancient Folk Dance named Loknritya 'Rai' at the age of 8 years. Loknritya 'Rai' is a dance played by Bediya community of the Society. Shri Pandey faced Boycott by the upper society before Independence. Even though he continued his Journey with full devotion.
3. Shri Pandey represented India in Japan, Dubai, Hungary, Switzerland, Germany, France, Denmark, and Egypt with his team and performed Loknritya Rai. He has also played Loknritya in Hindi Films viz. Shayad, Choukidar and Sammar.
4. Shri Pandey founded a society Bundeli Lok Nritya Natya Kala Parishad in his village Kanera Dev and started teaching and training young next generation.
5. For his Contributions to Society Shri Pandey received several honours such as Shikhar Samman, Tulsi Samman, Nritya Shiromani Samman from Madhya Pradesh Government and National Tagore Samman From Sangeet Natak Akademi New Delhi.

पद्म श्री



श्री राम सहाय पांडे

श्री राम सहाय पाण्डेय बुंदेलखंड क्षेत्र के एक महान लोक कलाकार हैं।

2. 11 अप्रैल, 1933 को जन्मे, श्री पाण्डे ने 8 वर्ष की उम्र में लोकनृत्य 'राय' नामक प्राचीन लोकनृत्य सीखना और उसका प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था। लोकनृत्य 'राय' बेढ़िया समाज द्वारा किया जाने वाला नृत्य है। स्वतंत्रता से पहले श्री पाण्डेय को समाज के उच्च वर्ग द्वारा बहिष्कार का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने अपनी यात्रा पूरी निष्ठा के साथ जारी रखी।
3. श्री पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ जापान, दुबई, हंगरी, स्विटजरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क और मिस्र में अपने लोकनृत्य राय का प्रदर्शन करके भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने हिंदी फिल्मों जैसे शायद, चौकीदार और समर में भी लोकनृत्य किया है।
4. श्री पाण्डेय ने अपने गांव कनेरा देव में बुंदेली लोक नृत्य नाट्य कला परिषद की स्थापना की तथा अगली युवा पीढ़ी को पढ़ाना और प्रशिक्षण देना शुरू किया है।
5. समाज में उनके योगदान के लिए श्री पाण्डेय को मध्य प्रदेश सरकार से शिखर सम्मान, 'तुलसी सम्मान', 'नृत्य शिरोमणि सम्मान' और संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली से राष्ट्रीय टैगोर सम्मान जैसे कई सम्मान प्राप्त हुए हैं।